# जिला जनसम्पर्क कार्यालय, खूँटी

दिनांक 21.03.2018

## प्रेस विज्ञप्ति 1

आज ग्राम बिरहु में ग्राम प्रधानों के साथ सीधी वार्ता एवं भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'स्वच्छ भारत मिशन' के तहत् खूंटी जिला को ओ.डी.एफ. किये जाने के संबंध में परिचर्चा के साथ विकास मेला का आयोजन जिला प्रशासन की ओर से किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित ग्राम प्रधान, मुखिया एवं ग्रामीणों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि माननीय मंत्री ग्रामीण विकास विभाग, झारखण्ड सरकार श्री नीलकंठ सिंह मुण्डा ने कहा कि सरकार द्वारा सीधी वार्ता के माध्यम से लोगों के बीच जाकर जानकारी हासिल करना एवं लोगों के साथ मिलकर झारखण्ड को विकास के रास्ते आगे बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। यह भगवान बिरसा मुण्डा की धरती है। लोग उन्हें श्रद्धा भाव से नमन करते हैं। भगवान बिरसा मुण्डा के सम्मान स्वरूप ही उनके जन्मदिवस को झारखण्ड राज्य का निर्माण हुआ। सरकार खूंटी क्षेत्र में लगातार विकास के क्षेत्र में कार्य कर रही है। माननीय प्रधानमंत्री और माननीय मुख्यमंत्री के द्वारा फोकस एरिया क्षेत्रों में प्राथमिकता के आधार पर विकास किया जा रहा है ताकि पिछड़े जिले विकास के क्षेत्र में आगे बढ। उन्होंने कहा कि खूंटी जिला में इतनी विकास की योजनाएं चल रही है कि यदि 365 दिन शिलान्यास, उद्घाटन का कार्य करें फिर भी समाप्त नहीं होगी। 14वें वित्त आयोग से सीधे ग्राम पंचायत को 60–70 लाख रू0 दिये जा रहे हैं ताकि गांवों में अधिक कार्य हो। जिले मे सड़कें बन रही हैं। छोटे से लेकर लंबी सड़कों से गांव–गांव, टोले–टोले जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। अंड़की–बीरबांकी–बंदगांव रोड बनाने कार्य जल्द ही प्रारंभ किया जाएगा। माननीय मंत्री ने कहा कि सड़कों के बनने से विकास का मार्ग खुलेगा। बच्चे स्कूल आसानी से आ–जा सकते हैं। सुदूर इलाके के ग्रामीण मरीजों को अस्पताल लाने, बाजार–हाट में साग–सब्जी एवं वनोत्पाद को बेचकर आमदनी बढ़ा सकते हैं। सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत् ग्रामीणों को पक्का घर देने का कार्य किया जा रहा है। ताकि कोई बिना छत के नहीं रहे। 2019 तक आवास विहीनों को आवास देने का कार्य पूर्ण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 21 गांव ओ.डी.एफ. नहीं हुआ है। जिला में स्वच्छ भारत मिशन को एक आन्दोलन के रूप में लेकर किया गया कार्य सराहनीय है। तोरपा एवं रनिया प्रखण्ड पूर्ण ओ.डी.एफ. हो चुका है। गामीण विकास विभाग की ओर से लोगों को विकास से, रोजगार से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। एक–एक गांव, टोले में सखी मण्डलों का निर्माण कर, उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़कर राज्य को विकसित करने का कार्य किया जा रहा है। झारखण्ड की महिलाओं के कार्य को माननीय प्रधानमंत्री ने

भी सराहना की है। किसानों के आय को दुगुनी करने के लिए उन्हें 'जोहार' योजना से जोड़ा जा रहा है। उन्हें मांग के अनुसार कुआं, तालाब, डोभा का लाभ एवं उन्हें शिक्षा, प्रशिक्षण दिया जाएगा। कुछ बाहर के लोग पत्थरगड़ी कर संविधान की गलत व्याख्या कर लोगों को बरगलाने का कार्य कर रहे हैं। वे स्वयं बड़े पदों पर कार्यरत हैं तथा लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं लेने के लिए कह रहे हैं। बच्चों को स्कूल नहीं भेजने के लिए प्रेरित किर रहे हैं तथा सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन करने से रोक रहे हैं। वे यहां के भाईचारे को तोड़ने का कार्य कर रहे हैं। वे स्वयं राजनीतिक लाभ एवं स्वार्थ सिद्ध करते हैं। माननीय मंत्री ने उपायुक्त से कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में लाइब्रेरी बने एवं उसमें संविधान की पुस्तक रखा जाय। उन्होंने कहा कि संविधान पढ़ने से ग्रामीणों को जानकारी होगी। उन्होंने कहा कि पत्थरगड़ी परम्परा आदिवासियों का जन्मसिद्ध अधिकार है। परन्तु पत्थरगड़ी कर संविधान की गलत व्याख्या करना गलत है। भगवान बिरसा मुण्डा ने देश, सभ्यता, संस्कृति के लिए अंग्रेजों एवं शोषण के विरूद्ध लड़ाई की। संविधान के निर्माण में आदिवासी को ध्यान में रखकर विशेष स्थान दिया गया है। उन्होंने कहा कि लोग शिक्षित होंगे तो वहां उनकी राजनीति नहीं चलेगी। लोग उनका विरोध करें। बाहरी तत्व कहते हैं कि पैसा बनाने का कार्य करेंगे लेकिन उनके पैसे से नमक भी नहीं खरीदा जा सकता। इस तरह के लोगों से सचेत रहने की जरूरत है। स्वतंत्र भारत में लोकतंत्र के तहत् अपनी बातों को रखने का अधिकार है। ग्राम सभा को भी गांवों के विकास के लिए अधिकार दिये गए हैं। नॉलेज सिटी हेतु भूमि अधिग्रहण कार्य भी ग्राम सभा एवं ग्रामीणों की सहमति से हुआ है। उन्होंने ग्राम प्रधानों के मानदेय संबंधी मांग पर कहा कि उनकी मांगों को वे स्वयं सरकार के सामने रखेंगे। उन्होंने कहा कि आज आप संकल्प लेकर जाएं कि खूंटी को स्वच्छ, विकसित बनायेंगे। इस अवसर पर श्यामसुन्दर कच्छप जिला परिषद् उपाध्यक्ष ने कहा कि तोरप एवं रनियां को पूर्ण ओ.डी. एफ. किया गया है। यह कार्य ग्राम प्रधानों के द्वारा तालमेल से संभव हुआ है। बाकी क्षेत्रों में जल्द से जल्द पूर्ण किया जाय। पत्थरगड़ी की समस्या विकट है। उन्होंने मांग की कि नौवीं से बारहवीं तक संविधान की शिक्षा दी जाय। विकास की गति को बढ़ाने के लिए इस तरह की बैठक आवश्यक है। इस अवसर पर कर्रा प्रमुख ने कहा कि आदिवासी परम्परा में पत्थरगड़ी सांवैधानिक अधिकार है। बीस साल पहले पांचवीं अनुसूची, पेसा एवं भूरिया कमिटि द्वारा पत्थरगड़ी कर जनमानस के कल्याण लिए पत्थरगड़ी की गई थी, उसमें विवाद नहीं था परन्तु वर्तमान में जो पत्थगड़ी कर संविधान की गलत व्याख्या की जा रही है, वह गलत है। खूंटी उप प्रमुख ने कहा कि पत्थरगड़ी आदिवासी परम्परा को ढाल बनाकर संविधान को तोड़–मरोड़कर पेश किया जा रहा है। लोगों को सरकारी योजनाओं से वंचित एवं अफीम की खेती करवाकर नई पीढ़ी को खत्म किया जा रहा है, इसका विरोध हो। यह उग्रवाद से भी अधिक खतरनाक है। सीधी वार्ता में मरचा, तोरपा ग्राम प्रधान सुशील तोपनो, चम्पबाहा के रेड़ा मुण्डा, ग्राम प्रधान चिरूडीह सागर सिंह मुण्डा, ग्राम प्रधान तुनेल अजय खलखो, जिउरी ग्राम

प्रधान बिनसाय मुण्डा, बिरहु ग्राम प्रधान राजु पाहन ग्राम प्रधान टकरा जॉन कच्छप आदि ने भी अपनी बातों को रखा। कार्यक्रम में तोरपा एवं रनिया प्रखण्ड के पूर्ण ओ.डी.एफ. की कहानी से संबंधित पुस्तक का विमोचन किया गया। मनरेगा में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र, जॉब कार्ड वितरण, साईकिल वितरण, फूटबॉल एवं बॉलीवाल खेल सामग्री का वितरण, उज्ज्वला योजना अंतर्गत गैस सिलेण्डर, स्वयं सहायता समूह को दो लाख का अनुदान वितरण एवं तोरपा तथा रनिया प्रखण्ड के मुखियाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम में ग्रामीणों को कृषि विभाग, भूमि संरक्षण, जिला जनसंपर्क विभाग, जे. एस.एल.पी.एस. जिला समाज कल्याण, श्रम नियोजन एवं प्रशिक्षण विभाग, सामुदायिक स्वास्थ्य, कॉमन सर्विस सेंटर, पुलिस विभाग, जिला निर्वाचन शाखा, स्वच्छ भारत मिशन, जिला मत्स्य विभाग, कल्याण विभाग, राजस्व शाखा, राष्ट्रीय चलन्त शिक्षा इकाई आदि विभाग द्वारा स्टॉल भी लगाया गया एवं लोगों को विभागों से संबंधित जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जिले के उपायुक्त श्री सूरज कुमार, उप विकास आयुक्त, खूंटी, पुलिस अधीक्षक, सिविल सर्जन खूंटी, वन प्रमण्डल पदाधिकारी, अनुमण्डल पदाधिकारी खूंटी, जिला योजना पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, प्रखण्डों के प्रमुख, उप प्रमुख समेत जिले के वरीय पदाधिकारी उपस्थित एवं विभिन्न गांवों के ग्राम प्रधान एवं मुखिया उपस्थित थे।